सरकार ने देश में आवश्यक वस्तुओं जिनमें खाद्य तेल शामिल हैं, मूल्यों और आपूर्ति की परिवीक्षा करने के लिए हाल ही में एक मूल्य संबंधी उच्च प्राधिकार प्राप्त समिति गठित की है । यह आशा की जाती है कि इन सभी उपायों से खाद्य तेलों के मूल्यों को संयत करने में मदद मिलेगी ।

टेलीविजन समाचार वाचकों के कार्य निष्पादन की संवीक्षा और मूल्यांकन करने हेतु समितियां

386. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि टेलीविजन समाचार वाचकों का चयन करने तथा उनका एक पैनल तैयार करने और उनके कार्य का मूल्यांकन करने के लिए कुछ समय पूर्व विशेषज्ञ समितियां गठित की गई थी ;

(ख) यदि हां, तो ये समितियां कब गठित की गई और उनके विचारार्थ विषय क्या-क्या थे तथा समिति के सदस्यों के नाम क्या-क्या थे ;

(ग) इन समितियों द्वारा की गई सिफारिशों का ब्यौरा क्या है और उन पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है;

(घ) क्या यह सच है कि दूरदर्शन समाचार वाचकों की नियुक्ति दैनिक ठेके के आधार पर की जाती है ; और

(ङ) क्या यह सच है कि समिति से परामर्श किए बिना अनेक टेलीविजन समाचार वाचकों की सेवायें समाप्त कर दी गई हैं ; यदि हां, तो इसके क्या कारण है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप-मंत्री (कु. गिरिजा व्यास) : (क) जी, हां ।

(ख) अप्रेल, 1991 में दूरदर्शन द्वारा दो समितियां गठित की गई थीं,— एक हिन्दी के लिए और दूसरी अंग्रेजी के लिए । इन समितियो के गठन का प्रयोजन मौजूदा समाचार वाचकों के कार्य का मूल्यांकन करना था ताकि यदि कोई त्रुटियां पाई जाए तो उन्हें बताया जा सके जिससे समाचारों के प्रस्तुतीकरण में सामान्य रूप से सुधार हो सके । इन दो समितियों के निम्नलिखित सदस्य थे :—

(1) हिन्दी समिति

(क) महानिदेशक, दूरदर्शन

(ख) अपर महानिदेशक, (समाचार) दूरदर्शन,

(ग) श्री अक्षय कुमार जैन

(घ) श्री कमलेश्वर

(ङ) श्री राधा नाथ चतुर्वेदी

(2) अंग्रेजी समिति

(क) महानिदेशक, दूरदर्शन

(ख) अपर महानिदेशक (समाचार) दूरदर्शन

(ग) सुश्री अमिता मलिक

(घ) सुश्री जय माइकल

(ङ) श्री सुधीर दर

(ग) इन दोनों समितियों ने प्रत्येक समाचार वाचक उच्चारण/वाक/वाक शैली, स्वर शैली तथा निरूपण, गति तथा स्पष्टता, संवाद/संतुलन, व्यक्तित्व तथा स्वर की गुणवत्ता आदि के बारे में टिप्पणियां की हैं ।

समाचार वाचकों के प्रस्तुतीकरण को सुधारने के लिए समुचित प्रशिक्षण की परिकल्पना की गई है ।

(घ) राष्ट्रीय समाचार बुलेटिनों के कुछेक मौजूदा समाचार वाचक दूरदर्शन के स्थायी कर्मचारी हैं । अन्य सभी को दैनिक अनुबंध के आधार पर बुक किया जाता है ।

(ङ) समिति की सिफारिशों के बाद, दूरदर्शन द्वारा किसी समाचार वाचक को सेवा समाप्ति पत्र जारी नहीं किया गया है।

Staying of proposed increase in prices of raw films

387. SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE:
SHRI MAHENDRA PRASAD:
SHRI SURESH PACHOURI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government have lately stayed the proposed 37.5 per cent increase in prices of raw films by the Hindustan Photo Films Co., in view of the protests from the film industry;

(b) if so, what factors led to the proposal for increase in raw film prices and what were the demands of the film industry; and

(c) what is Government's reaction in regard thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI P. K. THUNGON): (a) to (c) The selling price of cine colour positive film had been revised by Hindustan Photo Films Ltd (HPF) to the extent of 37.5 per cent effective from 15-6-91 due to increase in exchange rate variation, increase in auxiliary duty, etc. However, the said price revision has since been kept in abeyance.

Public Sector Units running at Loss

388. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what are the names of the Public Sector Units which are running at loss, the time since when each is running at loss and the amount of loss incurred each year, during the last three years; undertaking-wise details thereof; and

(b) the measures taken or proposed to be taken to make them earn profit?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI P. K. THUNGON): (a) Statement is annexed.

(See Appendix 159, Annexure No. 16).

(b) Enterprise specific measures are taken to improve the working of Central Public Sector Enterprises. The principal measures taken are change in product-mix, technological upgradation improved maintenance management practices, energy conservation, modernisation and rehabilitation, organisational restructuring etc. A new concept of Memorandum of Understanding (MOU) has been introduced which clarifies the mutual obligations of the public sector enterprises and the administrative Ministries in achieving improved performance.

Doordarshan News Reader's Performance Reviewed

399. SHRI MAHENDRA PRASAD: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the performance of News Readers of Doordarhsan had lately been reviewed:

(b) if so, whether any reshuffle in their gradation or reallocation of time-slots or removals had been effected as a result of the review; if so, the details in this regard;

(c) whether the News Readers have made representations against the move if so, the details thereof and the Government's reaction thereto; and

(d) whether if is also a fact that Government have formulated a pol-